

---

# Shri Ayyappa Suprabhatam

श्रीमद्य्यसुप्रभातम्

## Document Information

---

Text title : ayyappasuprabhAtam

File name : ayyappasuprabhAtam.itx

Category : deities\_misc, ayyappa, suprabhAta

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : July 10, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 10, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Ayyappa Suprabhatam

---

## श्रीमदय्यप्पसुप्रभातम्

---



श्रीहरिहरसुप्रजा शास्तः पूर्वा सन्ध्या प्रवर्तते ।

उत्तिष्ठ नरशार्दूल दातव्यं तव दर्शनम् ॥ १ ॥

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ शबरीश उत्तिष्ठ शान्तिदायक ।

उत्तिष्ठ हरिहरपुत्र त्रैलोक्यं मङ्गलं कुरु ॥ २ ॥

गुरो समस्तजगतात्मन् क्लेशहारे -

भक्तलृद्धिहारिणे मनोहरदिव्यमूर्ते ।

हे स्वामिन् भक्तजनप्रिय दानशील

श्रीशबरीपीठाश्रमस्थानिने तव सुप्रभातम् ॥ ३ ॥ (पीठाश्रमस्थगुरवे)

तव सुप्रभातं मित्ररक्षक भवतु प्रसन्न मन्मथसुन्दर (हे भक्तरक्षक)

ब्रह्माविष्णुशिवात्मैक्यस्वरूप -

श्रीशबरीपीठाश्रमस्थानिने तव सुप्रभातम् ॥ ४ ॥ (पीठाश्रमस्थगुरवे)

इति श्रीमदय्यप्पसुप्रभातं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

---

---

*Shri Ayyappa Suprabhatam*

pdf was typeset on July 10, 2021

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

